बिहार विधान परिषद

(200वां बजट सत्र)

Short Notice Questions For Written Answers

26 मार्च, 2022

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

Total Short Notice Question- 14

चहारदीवारी का निर्माण

*37 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-

कृया मंत्री, **शिक्षा** विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

(क) क्या यह सही है कि बक्सर जिले के बक्सर प्रखण्ड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय कृतपुरा, बक्सर में चहारदीवारी का निर्माण नहीं हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय की चहारदीवारी नहीं रहने के कारण बाहरी असामाजिक तत्व अंदर घुसकर दरवाजे एवं खिड़कियों को नुकसान पहुंचा देते हैं एवं विद्यालय में असुरक्षा का माहौल हमेशा व्याप्त रहता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्र मनरेगा योजना के तहत उक्त विद्यालय की चहारदीवारी का निर्माण करवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

तकनीकी कारणों का समाधान

*114 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-

कृया मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पंचायती राज तथा नगर निकाय संस्थानों के द्वारा नियुक्त शिक्षकों को माह सितम्बर 2020 से यू.टी.आई. योजना की जगह ई.पी.एफ. योजना से आच्छादित किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि संबंधित शिक्षकों द्वारा अपना अंशदान यू.टी.आई. पेंशन योजना में जमा किया गया था जिसकी निकासी इसी कारण नहीं हो सकी है क्योंकि सरकार द्वारा वैसे लाभार्थी शिक्षकों/पुस्तकालयाध्यक्षों के निमित्त राज्यांश नहीं दिया गया है;

(ग) क्या यह सही है कि ई.पी.एफ. योजना में भी प्रत्येक महीने राशि तो काटी जा रही है, लेकिन ई.पी.एफ. संबंधी खाते में संधारण दिख नहीं रहा है जिसके कारण इस राशि के ब्याज का लाभ तकनीकी कारणों से नहीं मिल सकता है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस मामले में विभागीय स्तर से स्थायी समाधान का विचार रखती है, यदि हां तो कैसे और कबतक?

नियुक्ति कबतक

***115 प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के बड़ी संख्या में पद रिक्त होने के कारण एक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के जिम्मे दो तीन प्रखंडों का प्रभार में चल रहा है जिसके कारण शैक्षणिक कार्यों का सुचारु रूप से निरीक्षण नहीं हो पा रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार शैक्षणिक कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिये प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के रिक्त पदों पर नियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

निर्माण कब तक

***116 मो. फारूक (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के मुख्यालय, मधुबनी शहर से सटा हुआ रांटी मध्य विद्यालय काफी प्रसिद्ध विद्यालय है और यहां की एक शिक्षिका को महामहिम

राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित भी किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय के खेल का मैदान अवक्रमित है क्योंकि सड़क के किनारे से नहीं ले जा कर खेल मैदान के बीच से निकाला गया है जबकि सड़क के दूसरे भाग को सरकारी जमीन उपलब्ध है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय के लिए समुचित आकार का खेल मैदान उपलब्ध कराने के लिए सरकारी जमीन का उपयोग करते हुए वर्तमान सड़क को मैदान के बीच से हटाकर किनारा से निर्माण कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

सामंजन का विचार

*117 **डा. समीर कुमार सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों में दिनांक – 10.02.1989 तक नियुक्त एवं कार्यरत तदर्थ व्याख्याताओं के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय के सिविल अपील संo – 1601-1602/2004 में पारित न्यायादेश के अनुपालन में दिनांक – 14.07.2017 को सरकार के द्वारा तदर्थ व्याख्याताओं के पद की जांच हेतु एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि उच्चस्तरीय समिति ने अपना जांच प्रतिवेदन सितम्बर, 2020 में ही शिक्षा विभाग, बिहार सरकार को समर्पित कर दिया है, किन्तु अबतक सरकार द्वारा इस संबंध में कार्रवाई लंबित है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार तदर्थ व्याख्याताओं का सेवा सामंजन कबतक करना चाहती है?

वेतन भुगतान पर विचार

*118 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत बी०एड० (1-5) शिक्षकों को 6 माह का संवर्धन कोर्स सरकार द्वारा NIOS से कराया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त करीब 500 शिक्षक अनुत्तीर्ण हो गए या उनका रिजल्ट पेंडिंग हो गया;

(ख) क्या यह सही है कि प्राथमिक शिक्षा निदेशक के पत्रांक – 978, दिनांक – 13.11.2020 से सभी अप्रशिक्षित शिक्षकों को हटाने एवं वेतन पर रोक लगाने का आदेश जारी किया गया। न्यायालय द्वारा इन संवर्धन प्राप्त अनुत्तीर्ण एवं पेंडिंग रिजल्ट वालों को राहत प्रदान की गई है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इन शिक्षकों की NIOS से एक बार परीक्षा लेने तथा वेतन भुगतान का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

बकाया भुगतान सुनिश्चित कबतक

***119 डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य परीक्षाफल आधारित अनुदान की अतार्किक व्यवस्था भी सत्र 2011-14 से डिग्री तथा सत्र 2014-16 से इंटर का अनुदान बकाया होने के कारण "सफेद हाथी" बनकर रह गयी है जिसका भुगतान अभीतक नहीं किया गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सभी बकाया अनुदान का एकमुश्त भुगतान सुनिश्चित कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

कारगर उपाय कबतक

***120 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-

क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के ग्रामीण जीवन को समरस एवं आनंदमय बनाये रखने में लोक गायन एवं गीत की विधाएं यथा बारहमासा, होली, सोहर, चैत्र, छठ गीत,

झूमर, शादी-विवाह, जगरनथिया गीत, रोपनी गीत, राजा सलसेह, वीर लोरिक, रानी सारंगा, हिरनी बिरनी, विदेसिया, पमरिया, डोमकच, सती बिहुला, कुमार बरजभान, बनी गोरिया, रेशमा चुहरमल, सोरठी बरजभान आदि का बड़ा योगदान है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड (क) में उल्लिखित ये सारी विधाएं विलुप्त होती जा रही हैं जिस कारण ग्रामीण जीवन उजाड़-सा होता जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इन्हें पुनर्जीवित करने के लिए कोई कारगर उपाय करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

कार्रवाई कबतक

*121 **श्री सुनील कुमार सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि अपर मुख्य सचिव द्वारा जारी दिशा-निर्देश के आलोक में निदेशक माध्यमिक शिक्षा ने राज्य के सभी डी०पी०ओ० (स्थापना) को 31 जनवरी 2022 तक शिक्षकों द्वारा अपलोड कर की गई शिकायत का निपटारा करते हुए पे-डिजिटल सिग्नेचर के साथ पे-स्लिप देने का निर्देश जारी किया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के 38 जिलों में पदस्थापित डी०पी०ओ० (स्थापना) के स्तर पर डिजिटल सिग्नेचर कर अबतक केवल 88 हजार 773 शिक्षकों की ही स्वीकृति दी गई है;

(ग) क्या यह सही है कि लगभग 70% से अधिक 2.36 लाख शिक्षकों को डिजिटल सिग्नेचर के साथ पे-स्लिप नहीं मिलने से शिक्षकों का जनवरी एवं फरवरी 2022 तक का वेतन का भुगतान होने में कठिनाई हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

मानदेय का भुगतान

*122 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सरकार द्वारा अनुदानित मदरसों में विज्ञान शिक्षक निष्ठापूर्वक अपनी सेवा दे रहे हैं किन्तु इनके मानदेय का भुगतान लंबे अरसे से नहीं किए जाने के कारण इनकी आर्थिक स्थिति दयनीय हो गई है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार अनुदानित मदरसों में नियुक्त विज्ञान शिक्षकों के मानदेय का भुगतान शीघ्र करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

अध्ययन-अध्यापन का कार्य

*123 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सहरसा जिला के सौर बाजार प्रखण्ड स्थित सूहथ पंचायत अंतर्गत राजकीय बुनियादी विद्यालय सूहथ के परिसर में डायट भवन का निर्माण टेंडर होने के बावजूद भी अभी तक नहीं हो पाया है जबकि विद्यालय के पास बाईस (22) एकड़ जमीन है;

(ख) यदि उपर्युक्त खण्ड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त भवन के निर्माण होने तक डी०एल०एड० पाठ्यक्रम हेतु नामांकन तथा अध्ययन-अध्यापन का कार्य परिसर स्थित ही खाली पड़े मॉडल स्कूल भवन में कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पढ़ाई चालू कबतक

*124 **डा. समीर कुमार सिंह (विधान सभा):**

क्या **शिक्षा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगेः-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है मुंगेर विश्वविद्यालय का निर्माण हो चुका है;

(ख) क्या यह सही है उक्त विश्वविद्यालय में पी.जी. की पढ़ाई नहीं हो रही है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विश्वविद्यालय में पी.जी. की पढ़ाई सरकार इसी वर्ष से चालू करना चाहती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मुंगेर विश्वविद्यालय में पी.जी. की पढ़ाई यथाशीघ्र चालू करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पेटेंट सेल की स्थापना

*125 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

क्या **विज्ञान एवं प्रावैधिकी** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि प्रतिवर्ष राज्य के 60 बाल वैज्ञानिकों के इनोवेशन आइडिया संबंधित प्रोजेक्ट राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में पेटेंट सेल के नहीं रहने के चलते बाल वैज्ञानिकों के प्रोजेक्ट का पेटेंट नहीं हो पाता है जिससे उनमें निराशा का भाव जागृत हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यहां पेटेंट सेल की स्थापना कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

खेल मैदान का निर्माण

*126 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

क्या **कला, संस्कृति एवं युवा** मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे:-
क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सहरसा जिलान्तर्गत सौरबाज़ार प्रखण्ड के पंचायत रौता खेम में कोई भी खेल का मैदान नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पंचायत के ग्राम- चिकनी में कई एकड़ सरकारी गैर मजरुआ ज़मीन है जिस पर खेल का मैदान बनाया जा सकता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रौता खेम पंचायत के ग्राम- चिकनी के आसपास स्थित सरकारी गैर मजरुआ ज़मीन पर खेल का मैदान स्थापित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?